

Shri S. C. Samanta : Is it not a fact that in the Rangat areas this year production of rice was more than the people there required and they could not transport rice from Port Blair and other places?

Dr. P. S. Deshmukh : I have no information with regard to this. All that I have ascertained is that the requirements of the islands are being met by the rice produced there.

Shri S. C. Samanta : Is it a fact that in the land that has been allotted to the refugees production has deteriorated; that is in the first year it gave good yield, but in the subsequent years it is not giving so much?

Dr. P. S. Deshmukh : I have no specific information, but the production of rice in the whole island is not in any way unsatisfactory.

Shri Bhagwat Jha Azad : May I know whether it is a fact that some of the friends from Andamans who were recently visiting the Capital have complained that due to lack of irrigation facilities, though land is in abundance in the Andmans, the capacity of the land to grow is much below what it should be?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain) : Yes. The deputation met me the other day, and they said that is certain parts of the land on account of paucity of irrigation they can raise only one crop. We are going to look into the matter.

Survey of Health Conditions

*2075. **Shri Gidwani** : Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have asked the All India Institute of Public Health and Hygiene to undertake a survey of health conditions in the community development areas throughout the country;

(b) if so, when the survey is expected to be started;

(c) the estimated expenditure on the survey; and

(d) when the survey will be completed?

The Deputy Minister of Health (Shrimati Chandrasekhar) : (a) Yes, but the survey will be carried out in only four Community Project Areas.

(b) The survey started from 1st August, 1955.

(c) The total estimated expenditure is Rs. 1,52,000/-.

(d) The survey is expected to be completed by the end of 1957.

Shri Gidwani : What will be the number of people who will be covered by the scheme, and in which States the survey work has been started or will be started?

Shrimati Chandrasekhar : As regards the first part of the question, I will require notice. As regards the second part, I may say it is in West Bengal in Shaktigarh block that the work has been started.

Shri Gidwani : May I know whether any special staff has been trained for the purpose; if so, what will be the nature of the training imparted and where will they be trained?

Shrimati Chandrasekhar : The following staff has been sanctioned: medical officers and L. M. P. doctors, laboratory technicians, sanitary inspectors, typists-clerks, class four staff, sweepers, statistical computers and demonstrators. I am not quite sure where they are trained.

The Minister of Health (Rajkumari Amrit Kaur) : May I say they will be trained in the All-India Institute for Hygiene, in Calcutta?

Shri B. S. Murthy : Where are these four community projects and will the money spent be shared by the States concerned?

Rajkumari Amrit Kaur : As has been stated by the Deputy Minister, the first project that has been undertaken is in West Bengal. I think after that we shall take up Madhya Bharat, and then probably Hyderabad and PEPSU, and perhaps Travancore-Cochin and Saurashtra.

ज्योतिष शास्त्र

*२०७६. श्री रघुनाथ सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ज्योतिष शास्त्र के विकास के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ; और

(ख) क्या सरकार को ज्योतिष संबंधी संस्थाओं से इस के बारे में कोई स्मरण-पत्र प्राप्त हुए हैं ?

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर) :

(क) सन् १९४५ में भारत सरकार ने भारत में ज्योतिष (Astronomy) और ज्यो-

भौतिकी (Astro-physics) के युद्धोत्तर विकास की योजना बनाने के लिये भारत के प्रसिद्धिप्राप्त वैज्ञानिकों की एक समिति नियुक्त की। इस के सभापति प्रोफेसर मेघनाथ साहा हैं। समिति की सिफारिशों पर १९४९ में सरकार को भारत में ज्योतिष के विकास तथा अन्य तत्सम्बन्धी मामलों पर परामर्श देने के लिये एक 'ज्योतिषार्थ स्थायी परामर्श-दात्री मण्डली' (Standing Advisory Board for Astronomy) का गठन किया गया। यह मण्डली अब तक चार बार अपनी बैठकें कर चुकी है और इस ने ज्योतिष के विकास एवं संयोजन के सम्बन्ध में कई सिफारिशों भी की हैं जिन में से एक सिफारिश एक आधुनिक केन्द्रीय ज्योतिषीय अवलोकनालय (Modern Central Astronomical Observatory) की स्थापना करने की है। इन सिफारिशों की सिद्धान्ततः स्वीकार कर लिया गया है और वित्तीय स्थिति के अनुसार जब भी संभव होता है इन सिफारिशों को कार्यान्वित किया जा रहा है।

(ख) नहीं।

श्री रघुनाथ सिंह : मैं जानना चाहता हूँ कि प्राचीन भारतीय एस्ट्रोनोमी के जो विद्वान हैं क्या उन से भी कोई सहायता भी गई है ?

श्री राज बहादुर : इस के जो सदस्य हैं उन के नाम मैं बता सकता हूँ। उन के नाम हैं —

Prof. M. N. Saha, Prof. A.C. Banerjee, Dr. A.L. Narayan, Prof. D.S. Kothari, Prof. M. L. Chandratreya, Dr. B.N. Banerjee, Dr. W. M. Vaidya, the Director-General of Observatories, The Deputy Director-General of Observatories, Kodaikanal, and the Director, Nizamia Observatory.

श्री रघुनाथ सिंह : जो नाम बताये गये हैं यह सब आधुनिक विद्वान हैं। इन में काशी और उज्जैन का एक भी विद्वान नहीं है।

श्री राज बहादुर : यह तो मैं नहीं कह सकता कि इस में काशी और उज्जैन का कोई विद्वान है या नहीं।

श्री रघुनाथ सिंह : यदि इस में कोई प्राचीन भारतीय एस्ट्रानामी का विद्वान नहीं है तो क्या आप उस को भी लेने की व्यवस्था करेंगे ?

संचार मंत्री (श्री जगजीवन राम) : मेरा जहां तक खयाल है इस में एक दो ऐसे आदमी ह। लेकिन मैं देख लूंगा, अगर प्राचीन पद्धति का कोई विद्वान नहीं है तो उस को भी ले लूंगा।

कन्द्रीय ट्रेक्टर संगठन

*२०७७. श्री नवल प्रभाकर : क्या साध और कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय ट्रेक्टर संगठन के कार्य के बारे में एस्टीमेट समिति की सातवीं रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों में से कौन सी सिफारिशें अब तक कार्यान्वित की गई हैं।

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० बेसुमुख) : एस्टीमेट कमेटी की रिपोर्ट की जांच करने के बाद, एक ब्यौरे सहित रिपोर्ट पार्लियामेंट की एस्टीमेट कमेटी को भेज दी गई है। इस कमेटी की बहुत सी सिफारिशें मंजूर कर ली गई हैं। कुछ सिफारिशें मंजूर नहीं की गई हैं जिन की वजह ब्यौरे सहित रिपोर्ट में दी गई हैं। वह रिपोर्ट जो पार्लियामेंट को भेजी गई है काफी ब्यौरे के साथ है और उस में इस बारे में पूरी जानकारी दी हुई है।

श्री नवल प्रभाकर : क्या यह रिपोर्ट सभा पटल पर रखी गई है ?

साध और कृषि मंत्री (श्री ए० पी० खन्ना) : यह तो कायदे के मुताबिक ही सभा के मेज पर रखी जायगी।